

### असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 588] नई विस्ती, वृहस्पतिवार, विसम्बर 11, 1986/अग्रहायण 20, 1908 No. 588] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 11, 1986/AGRAHAYANA 20, 1908

> इस भाग में भिन्य पूष्ठ संबंधा की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप हों रखा जा सके

> Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशत मंद्रालय (कार्मिक और प्रणिक्षण विभाग) नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1986 श्रीवस्त्रना

सा.का.नि. 1277(अ):--मारतीय प्रणासनिक सेना (संवर्ग) नियमावली, 1954 के नियम 4 के उपनियम (2) तथा श्रीखल भारतीय सेवा (सेवा गर्ते-अविष्टि मामले), नियमावली, 1960 के नियम 3 के साथ पित श्रीखल भारतीय सेवा श्रीधिनियम, 1951 (1951 का 61) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्त णिक्तयों का प्रयीग करते दुए केन्द्रीय सरकार, कर्नाटक सरकार के परामग्रं से भारतीय प्रणासितक नेवा (संवर्ग पद संख्या का नियसन) विनियमावला, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्दारा निम्निखित विनियम बनाती हैं, ग्रयीत :---

 इत नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतत) दसवा तंत्रीयत विभिन्नावले, 1986 है । 2. भारतीय प्रणासिक सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 की समय समय पर यथा संगीधित अनुमूची में "कर्नाटक" गार्थक के अवीन भारतीय प्रणामिक सेवा (भर्ती नियमावली, 1954) के नियम 8 के अनुसार पदीक्ति और चान दारा भरे जाने वाले पदों को जो कुल संख्या मद संख्या 3 के सामने दर्शाया गई है उसे नीचे बताई गई संमा और अवधियों तक बढ़ा हुआ समक्षा जाएगा और कर्नाटक के भारतीय प्रणासिक सेवा संवर्ग के प्राधिकृत पदों का कुल संख्या संगत अवधियों के लिए तदनुसार बढ़ा हुई समझा जाएगी:—

<b>म</b> विधर्या	पदों के संख्या में वृद्धि
1. 1-8-84 से 30-9-84 तक	1
2. 6-8-85 से 30-9-85 तक	1
3. 4-12-85 से 30-4-86 तक	1

#### व्याख्यात्मक जापन

कर्नीटक की भारतीय प्रणासीनक सेवा संवर्ग की पद संख्या और गठन वहीं होगा जो कि समय-समय पर यथा संगोधित भारतीय प्रणासीनक सेवा (संवर्ग को पद संख्या का नियतन) निर्माननो 1955 में दिया गणा है (ऊपर बताए अपुनार राज्य तिविल सेवा से पर्दाश्विण बोटा में शामिल पदों क संबग्ध में निष्ण गए 3 संगीयनों को छाड़-कर) । ये संगोधन था एचा शिवाराम द्वारा फर्निट संख्या स्वाराल में पारर का गई हिट याचिता संख्या 1931/05 पर दिए गए आदेशों का अपुश्लित करने के उद्देश्य से कर्नीटन का राज्य विविश्व सेवा के एक अधिकार था एचा णिवाराम की 1-884 से भारतीय प्रणासनिक सेवा में निगुद्दत करने के प्रयोगा से प्रधिसंख्य पदों का सुधन करने के लिए किए गए हैं।

टिप्पणो: मुख्य विनियम भारत के राजपत्न में दिनांक 22 श्रन्तूबर 1955 को सा.का.नि. सं. 3350 द्वारा प्रकाशित किए गए थे। कर्नाटक के संबंध में मूल विनियमों का श्रनुसूचः में निम्नलिखित सा.का.नि. द्वारा संगोधन किया गंगा है।

सा.का.ति. 377ई तार ख 26 8-1974

सा.का.ति. 1349 ताराख 21-12-1974

सा.का.नि. 228 तारीख 22-2-1975

सा.का.नि. 292-ई ताराख 23-5-1975

सा.का.नि. 7-ई तार ख 1-1-1976

सा.का.नि. 25ई ताराख 17-1-1976

सा.का.नि. 821ई तारोख 27-9-1976

सा.का.नि. 23 ई नारेख 30-1-1980

सा.का.नि. 219 ईतार ख 21-4-1980

सा.का.नि. 40 ई तारोच 5-2-1981

सा.का.नि. 925 तारीख 17-10-1981 तथा

सा.का.नि. 332 ई ताराख 15-4-1983

सा.का.नि. 34 नार ख 6-1-1984

[सं. 11031/27/86-म्न.भा.से.—Ⅲ] के. जो. एल. सक्तेना, इंस्क प्रधिकारी

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Deptt. of Personnel & Training)
New Delhi, the 11th December, 1986
NOTIFICATION

G.S.R. 1277 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 8 of the All India Services Act. 1951 (61 of 1951) read with subrule (2) of rule 4 of the Indian Administrative

Service (Cadre) Rules, 1954 and rule 3 of the All India Services (Conditions of Service—Residuary Matters) Rules, 1960, the Central Government, in consultation with the Government of Kafnataka, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. These rules may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Tenth

Amendment Regulations, 1986.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 as amended from time to time, under the heading 'Karnataka' the number of posts shows against item number 3 to be filled by promotion and selection in accordance with the rule 8 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954 shall be deemed to have been increased to the extent and for the periods indicated below and the total authorised strength of the Indian Administrative Service Cadre of Karnataka shall be deemed to have been increased correspondingly for the relevant periods:—

#### Periods

Increase in the number of posts

- 1. From 1-8-84 to 30-9-84
- 2. From 6-8-85 to 30-9-85
- 3. From 4-12-85 to 30-4-86

### EXPLANATORY MEMORANDUM

The strength and composition of the Indian Administrative Service Cadre of Karnataka is the same as provided in the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 as amended from time to time, (except for three modifications in the number of posts included in the promotion quota from the State Civil Service as indicated above). The modifications have been made to create supernumerary posts for the purpose of making appointment of Shri H. Shivaramu, a State Civil Service Officer of Karnataka to the Indian Administrative Service with effect from 1-8-1984 in order to comply with the orders of the Karnataka High Court in W. P. No. 4031 85 filed by Shri H. Shivaramu.

Note: —The Principal Regulations were published in the Gazette vide SRO No. 3350 dated 22-10-1955. The Regulations in respect of Karnataka Cadre have been amended vide GSR Nos. 377E dt. 26-8-74. 1349 dt. 21-12-1974, 228 dt. 22-2-1975, 293E dated 23-5-1975, 7E, dt. 1-1-1976, 25E dated 17-1-1976, 821E dated 27-9-1976, 23E dt. 80-1-1980, 219E dt. 21-4-1980, 46E dt. 5-2-1981, 925 dt. 17-10-1981, 332E dt. 15-4-1983 and 34 dt. 6-1-84.

[No. 11031|27|86-AIS (II)] K. B. L. SEXENA, Desk Officer.